

LOK SABHA DEBATES

I

2

LOK SABHA

Monday, September 7, 1981/Bhadra 16,
1903 (Saka)

*The Lok Sabha met at
Eleven of the Clock*

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

MR. SPEAKER : Dr. A. U. AZMI—Absent. Shri K. Malla^{na}—Absent.

SHRI JAGPAL SINGH—Absent. Should I walk out in protest ? Shri Rasheed Masood.

Impact of rise in price of fertilizers on agricultural production

+

*307. SHRI RASHEED MASOOD :

SHRI JAGPAL SINGH :

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) to what extent the prices of fertilisers rose (till date) during the last two years ;

(b) whether any assessment has been made with regard to the consumption of fertilisers due to the rise in the prices and resultant impact on the agricultural production; and

(c) if so, details thereof ?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND RURAL (RECONSTRUCTION, IRRIGATION

AND CIVIL SUPPLIES (RAO BIRENDRA SINGH) :

(a) A statement indicating the prices of various statutorily controlled fertiliser and extent of increase thereon from 10-3-1979 onwards is laid on the Table of the House.

(b) and (c) Fertiliser consumption during the last two years was as under :

Year	Fertiliser consumption (lakh tonnes of N+P+K)	Growth rate over previous year (%)
1979-80	52.56	2.7
1980-81	55.16	4.9

Despite a comparatively favourable price environment the growth rate in consumption in 1979-80 was lower than in 1980-81. This was because fertiliser consumption in 1979-80 was affected by severe drought.

As long as the cost-benefit ratio of fertiliser usage is favourable, fertiliser usage by farmers should not be seriously affected by an increase in its price. The cost-benefit ratio depends not only on the price of fertiliser but also on the price of crop received by farmers and the response ratio in terms of additional output secured per unit of nutrient applied.

It may, however, be added that it is difficult to isolate the impact of just one factor, viz. price, on fertiliser consumption and resultant

agricultural production, since fertiliser consumption depends upon a number of variables such as extent of cropped areas under irrigation/

HYV crops, weather, fertiliser availability, credit, farmers' awareness, crop price etc. These variables are not easily quantifiable.

Statement

Retail prices of fertilisers under Statutory Control

(Figures in Rs. per tonne)

Sl. No.	Name of Fertilizer	Price from (10-3-79)	Price from (8-6-80)	Price from (11-7-81)	Extent of Price Increase (Col. 5-3)	
					Amount	Percentage
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
1.	Urea (46% N)	1450	2000	2350	900	62.07
2.	Muriate of Potash (60 %K)	805	1100	1300	495	61.49
3.	Sulphate of Potash (50%K)	1295	1800	2100	805	62.16
4.	Di-Amm. Phosphate (18-46-0)	2200	3050	3600	1400	63.64
5.	N.P.K. (17-17-17)	1600	2200	2600	1000	62.50
6.	N.P.K. (15-15-15)	1300	1800	2100	800	61.54
7.	N.P.K. (19-19-19)	1800	2500	2950	1150	63.89
8.	Ammonium Phosphate Sulphate (20-20-0)	1600	2200	2600	1000	62.50
9.	Nitro-Phosphate (20-20-0)	1500	2050	2400	900	60.00
10.	Ammonium Phosphate Sulphate (16-20-0)	1400	1950	2300	900	64.29
11.	Urea Ammonium Phos. (24-24-0)	1900	2600	3050	1150	60.53
12.	Urea Ammonium Phos. (28-28-0)	2200	3050	3600	1400	63.64
13.	N.P.K. (14-28-14)	1900	2600	3050	1150	60.53
14.	N.P.K. (10-26-26)	1800	2500	2950	1150	63.89
15.	N.P.K. (14-35-14)	2100	2900	3400	1300	61.90
16.	N.P.K. (12-32-16)	2000	2750	3250	1250	62.50
17.	Triple Super Phos. (46%P) (Granular)	1600	2200	2600	1000	62.50
18.	Triple Super Phos. (46%P) (Powder)	1500	2050	2400	900	60.00

Note :—The above prices represent the maximum retail prices, exclusive of sales-tax and other local taxes.

श्री रशीद मसूद : जो जवाब मिनिस्टर साहब ने दिया है उस को देखते हुए यह अन्दाज होता है कि जितने भी फर्टिलाइजर्स हैं उन में से किसी की भी कीमत 60 परसेंट से कम नहीं बढ़ी जब कि हमारे किसान जो पैदा करते हैं उन की कीमत इसके मुकामिले में बहुत कम बढ़ी है। उसके मुकामिले में फर्टिलाइजर्स की कीमत कहीं ज्यादा बढ़ी है जिस से कि किसान आम तौर पर सफर करता है और परेशान होता है। तो मैं पूछना चाहूंगा कि क्या वह ऐसी पालिसी बनाएंगे कि किसान जो प्रोड्यूस करता है उस की कीमत जितनी बढ़े उसी के हिसाब से फर्टिलाइजर या अन्य इनपुट्स की कीमत बढ़े ?

[श्री रशीद मसूद : जो जवाब

मिनिस्टर साहब ने दिया है उस को देखते हुए यह अन्दाज होता है कि जितने भी फर्टिलाइजर्स हैं उन में से किसी की भी कीमत 60 परसेंट से कम नहीं बढ़ी जब कि हमारे किसान जो पैदा करते हैं उन की कीमत इसके मुकामिले में बहुत कम बढ़ी है। उसके मुकामिले में फर्टिलाइजर्स की कीमत कहीं ज्यादा बढ़ी है जिस से कि किसान आम तौर पर सफर करता है और परेशान होता है। तो मैं पूछना चाहूंगा कि क्या वह ऐसी पालिसी बनाएंगे कि किसान जो प्रोड्यूस करता है उस की कीमत जितनी बढ़े उसी के हिसाब से फर्टिलाइजर या अन्य इनपुट्स की कीमत बढ़े ?

मिनिस्टर साहब ने दिया है उस को देखते हुए यह अन्दाज होता है कि जितने भी फर्टिलाइजर्स हैं उन में से किसी की भी कीमत 60 परसेंट से कम नहीं बढ़ी जब कि हमारे किसान जो पैदा करते हैं उन की कीमत इसके मुकामिले में बहुत कम बढ़ी है। उसके मुकामिले में फर्टिलाइजर्स की कीमत कहीं ज्यादा बढ़ी है जिस से कि किसान आम तौर पर सफर करता है और परेशान होता है। तो मैं पूछना चाहूंगा कि क्या वह ऐसी पालिसी बनाएंगे कि किसान जो प्रोड्यूस करता है उस की कीमत जितनी बढ़े उसी के हिसाब से फर्टिलाइजर या अन्य इनपुट्स की कीमत बढ़े ?

RAO BIRENDRA SINGH : This has been announced by Government time and again that its policy is to take into account all increases in the prices of fertilizers, diesel and other inputs while fixing the minimum support price for farmers' produce.

श्री रशीद मसूद : अध्यक्ष महोदय, जब तक सरकार किसानों के लिए कुछ करे, मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूँ कि लोकदल जनता सरकार ने मार्जिनल फार्मर्स को सब्सिडी दी थी। फर्टिलाइजर जिसकी कीमत 70 रु० कट्टा था, उसमें 23 रु० परसेंट सब्सिडी दी थी। क्या इस सरकार के पास भी कुछ प्रपोजन है कि मार्जिनल फार्मर्स छोटे किसानों को सब्सिडी प्रोवाइड करे, ताकि ज्यादा से ज्यादा फर्टिलाइजर डाल कर ज्यादा से ज्यादा मुल्क के लिए गल्ला पैदा कर सके ?

[श्री रशीद मसूद : जो जवाब

मिनिस्टर साहब ने दिया है उस को देखते हुए यह अन्दाज होता है कि जितने भी फर्टिलाइजर्स हैं उन में से किसी की भी कीमत 60 परसेंट से कम नहीं बढ़ी जब कि हमारे किसान जो पैदा करते हैं उन की कीमत इसके मुकामिले में बहुत कम बढ़ी है। उसके मुकामिले में फर्टिलाइजर्स की कीमत कहीं ज्यादा बढ़ी है जिस से कि किसान आम तौर पर सफर करता है और परेशान होता है। तो मैं पूछना चाहूंगा कि क्या वह ऐसी पालिसी बनाएंगे कि किसान जो प्रोड्यूस करता है उस की कीमत जितनी बढ़े उसी के हिसाब से फर्टिलाइजर या अन्य इनपुट्स की कीमत बढ़े ?

मिनिस्टर साहब ने दिया है उस को देखते हुए यह अन्दाज होता है कि जितने भी फर्टिलाइजर्स हैं उन में से किसी की भी कीमत 60 परसेंट से कम नहीं बढ़ी जब कि हमारे किसान जो पैदा करते हैं उन की कीमत इसके मुकामिले में बहुत कम बढ़ी है। उसके मुकामिले में फर्टिलाइजर्स की कीमत कहीं ज्यादा बढ़ी है जिस से कि किसान आम तौर पर सफर करता है और परेशान होता है। तो मैं पूछना चाहूंगा कि क्या वह ऐसी पालिसी बनाएंगे कि किसान जो प्रोड्यूस करता है उस की कीमत जितनी बढ़े उसी के हिसाब से फर्टिलाइजर या अन्य इनपुट्स की कीमत बढ़े ?

श्री रशीद मसूद : अध्यक्ष महोदय, जब तक सरकार किसानों के लिए कुछ करे, मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूँ कि लोकदल जनता सरकार ने मार्जिनल फार्मर्स को सब्सिडी दी थी। फर्टिलाइजर जिसकी कीमत 70 रु० कट्टा था, उसमें 23 रु० परसेंट सब्सिडी दी थी। क्या इस सरकार के पास भी कुछ प्रपोजन है कि मार्जिनल फार्मर्स छोटे किसानों को सब्सिडी प्रोवाइड करे, ताकि ज्यादा से ज्यादा फर्टिलाइजर डाल कर ज्यादा से ज्यादा मुल्क के लिए गल्ला पैदा कर सके ?

अध्यक्ष महोदय : मोहब्बत तो पैदा कर ही दो।

राव बीरेन्द्र सिंह : हम ज्यादा से ज्यादा गल्ला पैदा करने की हर मुमकिन कोशिश कर रहे हैं और हमारी पालिसी की वजह से जराबत ज्यादा तरक्की कर रही है।

SHRI JOTIRMOY BOSU : Will the hon. Minister kindly enlighten the House as to whether it is not a fact that in the Central Rice Research Institute, Cuttack and their adjoining areas for decades together the per acre yield of rice has not gone up but, on the contrary it has gone down in some areas? Secondly, it is also not a fact that you are trying to co-ordinate the importation of fertilizer along with China and, as an outcome of that, you are expected to gain substantially in view of the fact that there is a glut in the world fertilizer market?

RAO BIRENDRA SINGH : I do not agree that the yield per acre of paddy has not increased.

SHRI JYOTIRMOY BOSU : I referred to the Central Rice Research Institute, Cuttack.

RAO BIRENDRA SINGH : I am saying that the Rice Research Institute, Cuttack, has helped the farmers with the latest technology. It has given information and improved varieties of seeds of paddy, which has certainly increased farm production. The hon. Member seems to be more interested in China than in the country itself.

MR. SPEAKER : He wants to know about Cuttack.

RAO BIRENDRA SINGH : He knows more about China. He does not seem to know anything about Orissa.

SHRI JYOTIRMOY BOSU : I have documents to prove that over the years the areas surrounding the Central Rice Research Institute, Cuttack, have not recorded any growth in per hectare yield of rice;

on the contrary, it has declined in some areas.

RAO BIRENDRA SINGH : If the hon. Member has any specific area in view, I would suggest that he write to me so that I can provide the necessary information. So far as the production is concerned, the Government of India figures show that there has been an increase in Production.

SHRI JYOTIRMOY BOSU : I have not touched that.

MR. SPEAKER : He has asked about Cuttack.

SHRI JYOTIRMOY BOSU : Is it not a fact that co-ordination on the importation of fertilizer between India and China on the international market has yielded them a good financial result?

RAO BIRENDRA SINGH : If he wants to know about Orissa, I have got the figures. In the State throughout there has been an increase in yield from 1974-75.

MR. SPEAKER : Since he asks for a specific area, you may supply him the information.

श्री उद्योतिभयं वसु : चाइना के लिए चुप हो गया।

राव बीरेन्द्र सिंह : चाइना के लिए तो आप जानते हैं।

श्री सत्य नारायण जटिया : अध्यक्ष महोदय, फटिलाइजर्स की खरीद पर राज्य सरकारों ने किसानों के लिए कौन-कौन से अनुदान स्वीकृत किए हैं? क्या मध्य प्रदेश में यह अनुदान दिया जाता है? क्या केन्द्रीय सरकार छोटे किसानों को फटिलाइजर्स की खरीद पर अनुदान देने की नीति के बारे में विचार कर रही है?

अध्यक्ष महोदय : वह तो पहले ही कह दिया है— about subsidies to small farmers.

RAO BIRENDRA SINGH : Subsidies and all inputs are being given.

श्री सत्यनारायण जटिया : छोटे किसानों को कितना अनुदान मिल रहा है ?

SHRI B. V. DESAI : The hon. Minister was pleased to state that in 1979-80 there was an increase of 2.7 per cent in the growth rate. That is, consumption was 52.56 lakh tonnes. In 1980-81 the increase was 4.9 per cent raising the total consumption to 55.16 lakh tonnes. May I know the subsidy element per tonne of nitrogenous fertilizer so far as consumption is concerned ? My question is regarding the the subsidy portion on nitrogenous fertilizer.

RAO BIRENDRA SINGH : Sir, as regards the consumption, the hon. Member is right when he says that the growth rate in fertilizer has come down after 1978-79. That was mainly on account of drought. If he wants to know the subsidy element only on nitrogenous fertilizer, I do not have the exact figure, but since urea represents about 47 per cent of the total fertilizer that is consumed in the country he can have a rough idea of the subsidy if he knows about the total subsidy on fertilizers

लोक सभा और राज्य सभा के संसद सदस्यों को प्लॉटों/फ्लैटों का आबंटन

+

308. श्री रakesh कुमार सिंह :

श्री शिव शरण वर्मा :

क्या निर्माण और आवास मंत्रों यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या भूतपूर्व सरकार ने सदन में यह आश्वासन दिया था कि उन सभी संसद सदस्यों (लोक सभा तथा राज्य सभा) को जिन्होंने दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा प्लॉटों/फ्लैटों के आबंटन के लिए 1975, 1976, 1977 अथवा 1 जनवरी 1978 तक (बवेजा समिति की

रिपोर्ट को लागू करने से पूर्व) अपने नाम पंजीकृत करवाए थे तुरन्त प्लॉट/फ्लैट आबंटित किए जायेंगे ;

(ख) यदि हां, तो कितने संसद सदस्यों को अब तक प्लॉट/फ्लैट आबंटित कर दिए गए हैं ; और

(ग) यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF WORKS AND HOUSING (SHRI MOHAMMED USMAN ARIF) :

(a) The reservation for M.Ps. for allotment of plot/flat by DDA was abolished on the recommendations of the Baweja Committee with effect from 2nd January, 1979 (and not from 1-1-78). No specific assurance appears to have been given by the previous Government but it has already been decided to give the benefit of reservation which held good, before the cut-off date i.e. 2nd January, 1979 to the persons who were M.Ps. on or before that date and had completed all formalities (including the deposit of earnest money) for the allotment of plot/flat before the aforesaid date.

(b) Plots—6r

Flats—54

(c) Does not arise.

श्री राजेश कुमार सिंह : क्या यह सही है कि कुछ प्लॉट्स की एलाटमेंट फार्मर-एम0 पीज को हुई थी लेकिन उन में से अधिकांश विरोधी पक्ष के कैंडिडेट्स को दिए गए, साथ ही कुछ कांग्रेसी संसद सदस्य को एलाटमेंट की गई है जो इरेग्यूलर को गई है। इस लिए मैं जानना चाहता हूँ कि जो 61 प्लॉट्स और 54 फ्लैट्स आप ने बताये हैं—क्या 61 प्लॉट्स वालों के नामों की सूची आप बतला सकेंगे या सदन के समक्ष प्रस्तुत कर सकेंगे ?